

 सत्यमेव जयते	राजस्थान राजपत्र विशेषांक	RAJASTHAN GAZETTE Extraordinary
	साधिकार प्रकाशित	Published by Authority
	<p>पौष 18, सोमवार, १८८६ 1945-जनवरी 08, 2024 <i>Pausa 18 Monday, Saka 1945- January 08, 2024</i></p>	

भाग-1(ख)

महत्वपूर्ण सरकारी आज़ायें।

वन विभाग ग्रुप-8

विज्ञप्ति

जयपुर, नवम्बर 29, 2023

संख्या प. 2(35)वन/2023 :-चुकिं निम्नलिखित अनुसूची में दिखाई गई वन भूमि सरकार की सम्पत्ति है अथवा उनमें सरकार के स्वामित्व है अथवा सरकार उनकी सम्पूर्ण वन उपज अथवा किसी अंश की स्वामित्वधारी (Entitled) है।

और चुकिं पूर्वोक्त भूमि में अथवा उस पर सरकारी अथवा व्यक्तियों के अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप अभी तक किसी भी प्रकार से लेखबद्व ही किये गये हैं।

और चुकिं सरकार यह भी विचार रखती है कि पूर्वोक्त वन भूमि अथवा बंजर भूमि में अथवा उस पर सरकार या व्यक्तियों के अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप में जांच किया जाना तथा उन्हें लेखबन्द किया जाना आवश्यक है। परन्तु चुकिं इन कार्यों के सम्पादन में जितना समय लगेगा उस बीच में सरकार के अधिकारों को क्षति पहुंचने की आशंका है।

इसलिए अब राजस्थान फोरेस्ट एक्ट 1953 (1953 का एक्ट संख्या 13) की धारा 29 की उपधारा (3) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुये सरकार इसके द्वारा फोरेस्ट सेटलमेंट ऑफिसर को पूर्वोक्त वनभूमि अथवा बंजर भूमि में या उन पर सरकारी तथा व्यक्तियों के अधिकारों की जांच करके उन्हें लेखबन्द करने हेतु नियुक्त करती हैं। तथ ऐसी जांच तथा अभिलेखन तथा साध्य उसी प्रणाली में किया जावेगा। जैसा कि उक्त एक्ट की धारा 6, 7, 8, 10, 11 (1) 12, 13, 14, 17, 18 तथा 19 में प्रवाहित है।

और एक्ट की धारा 29 की उपधारा (3) कि परन्तुक (Proviso) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में राजस्थान सरकार उक्त जांच तथा अभिलेखों के सम्पादित होने तक उक्त वन भूमि और बंजर भूमि को इस विज्ञप्ति द्वारा रक्षित वन घोषित करती है। परन्तु इससे किसी व्यक्ति या वर्ग विशेष के वर्तमान अधिकारों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आवेगी। और न उस पर कोई प्रभाव पड़ेगा।

और उसकी धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में सरकार यह भी घोषित करती है कि इसके साथ संलग्न दिवतीय अनुसूची में दिखाये गये कथित रक्षित वन में स्थित वृक्ष इस विज्ञप्ति के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से आरक्षित किये जाते हैं और पूर्वोक्त तारीख में कथित वन में किसी खदान से पत्थर निकालना या चूना या कोयला जलाना या किसी वन उपज का संग्रह किया जाना या किसी निर्माण

प्रक्रिया या साधन बनाया जाना और कथित वन में किसी भूमि को कृषि के लिये या मकान बनाने के लिये या पशु-पालन के लिये अथवा अन्य प्रयोजन के लिए तोड़ा जाना साफ किया जाना निषिद्ध करती है।

संलग्न - प्रथम अनुसूची (वन भूमि व बंजर भूमि)

द्वितीय अनुसूची (संरक्षित वृक्ष)

राज्यपाल की आज्ञा से,

मोनाली सेन,
विशेषाधिकारी, वन।

सं ख्या	नाम ब्लॉक	नाम तहसील	नाम जिला	सीमा	विवरण
1	2	3	4	5	6
1	बोरी	गढ़बोर	राजसमंद	उत्तर : ग्राम सरहद बांसा की भूमि दक्षिण: ग्राम बोरी की सरकारी भूमि पूर्व: ग्राम बोरी की सरकारी एवं खातेदारी भूमियां पश्चिम : रक्षित वनखण्ड तेजों का गुडा	गांव -बोरी पटवार क्षेत्र-उमरवास खसरा नंबर-665/66 रकबा-56-00 बीघा (जरीब 152.5 Feet) (12.0992 हैक्टेयर)

डॉ. ए. एन. गुप्ता,
उप वन संरक्षक,
(वन्यजीव), राजसमंद।

द्वितीय अनुसूची रक्षित वनखण्ड सोजपुर
पेड़ों की सूची

॥ कार्यालय उप वन संरक्षक, वन्यजीव राजसमंद ॥

1. क्षेत्र में पाये जाने वाले पेड़ों की सूची:-

Sr. no.	Comman Name	Botanical Name
1	धोक	Anogeissus Latifolia
2	बड़	Ficus Benghalensis
3	पई धोबिन	Dalbergia Paniculata
4	खीरनी	Manilkara Hexandra
5	चुरेल	Holoptelea Integrifolia
6	नीम	Azadirachta Indica

2. वृक्षारोपण कार्य पर लगाये गये पेड़ों की सूची:-

Sr. no.	Comman Name	Botanical Name
1	बांस	Bamboo Bambusa
2	गूँदी	Cordia Dichotoma
3	बैर	Ziziphus Jujuba
4	आंवला	Phyllanthus Emblica
5	जंगल जलेबी	Pithecellobium Dulce
6	खेर	Acacia Catechu
7	चुरेल	Holoptelea Integrifolia
8	देशी बबूल	Acacia Nilotica
9	इमली	Tamarindus Indica
10	पई धोबिन	Dalbergia Paniculata
11	खीरनी	Manilkara Hexandra

डॉ. ए. एन. गुप्ता,
उप वन संरक्षक,
(वन्यजीव), राजसमंद।

प्रारम्भिक विज्ञप्ति के प्रस्ताव के साथ उप वन संरक्षक द्वारा प्रमाण पत्र

वनखण्ड : बोरी
 रेंज : झीलवाडा
 वन मण्डल : वन्यजीव राजसमंद

1. संलग्न प्रारूप में दर्शाई गई भूमि का वर्गीकरण क्रमश गैर मुमकिन पहाड़/गैर मुमकिन भाखर/ मगरा/गैर कृषि पायती हैं मगरा जिसे विज्ञप्ति के कॉलम 6 में विस्तृत रूप से खसरा नंबरों का विवरण दर्शाया गया है।
2. वर्तमान में भूमि राजस्व लेखों के बिलानाम दर्ज है तथा मौके पर विभाग द्वारा कुछ क्षेत्रों में विकास कार्य कराया गया है/करना है। इनमें कोई अतिक्रमण अथवा खनन कार्य नहीं हो रहा है। क्षेत्र को आरक्षित/रक्षित वन घोषित करने के लिये जिला कलक्टर से सहमति प्राप्त कर ली गई है जो प्रस्ताव के साथ संलग्न है।
3. वर्तमान में कुछ क्षेत्रों में क्रमश -प्लांटेशन एवं अन्य विकास कार्य वर्ष 2015 से 2016 में कराये गये हैं। इनमें कोई खनन कार्य नहीं हुए हैं। भविष्य में अन्य क्षेत्रों में भी विकास कार्य कराये जाने की संभावना है।
4. भूमि पर वृक्षों का घनत्व कुछ क्षेत्रों में 5 प्रतिशत है तथा कुछ क्षेत्रों में नगण्य है। इस वनखण्ड में प्रमुख प्रजातियों में रोंझ, धोकडा, देशी, बबूल, आंवला, बांस, जामून, गुन्दा, ईमली, जंगल जलेबी नीम खीरनी, बड एवं अन्य झाड़ियों का लगभग 50 प्रतिशत है तथा कुछ क्षेत्रों में घनत्व नगण्य है।
5. समीपवर्ती स्थित क्षेत्र वन भूमि राजकीय भूमि (राजस्व बंजर/ चरागाह/ खातेदारी/ वन) मगरा भूमि है तथा चारों ओर की सीमाओं का विस्तृत उल्लेख विज्ञप्ति के कॉलम संख्या 5 में कर दिया गया है।
6. वनखण्डों के वांछित मानचित्र (नक्शे) संलग्न है एवं विज्ञप्ति में दिखाई गई दिशाओं, सीमाओं एवं स्थिति के अनुरूप है। प्रस्तावित वन क्षेत्रों की सीमा को नक्शे में लाल स्याही से इंगित किया गया है। प्रस्तावित क्षेत्र को जी.टी.शीट पर चिन्हित किया जाकर प्रस्ताव के साथ संलग्न किया गया है।
7. प्रस्तावित क्षेत्रों की विज्ञप्तियों के प्रारूप यथा विधि पूर्व में नहीं भेजने के कई कारण रहे हैं किन्तु अब उल्लेखित वन क्षेत्रों के कानूनी स्वरूप देने हेतु प्रचलित नियमों के अनुरूप शासकीय गजट में प्रकाशन होना नितान्त आवश्यक है जिससे कि इन भूमियों पर वन विभाग का साक्ष्य सिद्ध हो सके।
8. उक्त वन भूमि का पूर्व में राजपत्र में प्रकाशन नहीं हुआ है।

डॉ. ए. एन. गुप्ता,
 उप वन संरक्षक,
 (वन्यजीव), राजसमंद।

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।